Civil Services (Main) Examination, 2026

KVMS–P–PHL

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) स्पिनोज़ा मनस् की दशाओं तथा शारीरिक क्रियाओं के बीच संबंध की किस प्रकार व्याख्या करते हैं?

How does Spinoza explain the relationship between states of mind and bodily processes?

(b) लॉक द्वारा प्रतिपादित अंतःप्रज्ञात्मक ज्ञान तथा निदेशात्मक ज्ञान के बीच भेद की व्याख्या कीजिए।

Explain the distinction between Intuitive knowledge and Demonstrative knowledge as propounded by Locke.

(c) हेगेल के इस सम्प्रत्यय की व्याख्या कीजिए कि सत्ता के रूप में निरपेक्ष की अवधारणा, स्व-विकास की प्रक्रिया के रूप में निरपेक्ष के संभवन की अवधारणा है।

Explain Hegel's idea that the concept of the Absolute as being is the concept of the Absolute as becoming as a process of self-development.

(d) अरस्तू तथा लाइब्निज़ के दर्शन में प्रस्तुत अन्तस्तत्त्व (एन्टेलेची) की अवधारणा में तुलना तथा विभेद कीजिए।

Compare and contrast the notion of entelechy as presented in Aristotle's and Leibniz's philosophy.

(e) "उदाहरणतः मैं अभी यह सिद्ध कर सकता हूँ कि दो मानव हाथ विद्यमान हैं।" मूर इस उदाहरण से बाह्य जगत् की सत्ता को कैसे सिद्ध करते हैं? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

"I can prove now, for instance, that two human hands exist." How does Moore use this illustration to prove the existence of an external world? Critically discuss.

2. *(a)* अरस्तू के अनुसार तत्त्वमीमांसा की मूलभूत समस्या क्या है? अरस्तू के जगत् के तत्त्वसार के विवरण के सम्बन्ध में इसकी विवेचना कीजिए, जिसमें वे परमाणुवादियों तथा प्लेटो दोनों के मत को नकार देते हैं।

What, according to Aristotle, is the fundamental problem of metaphysics? Discuss this in relation with Aristotle's account of the essence of the world, where he rejects the views of both the Atomists and Plato. 20

(b) ह्यूम तर्क के संप्रत्ययों का विवरण किस प्रकार देते हैं? इस संबंध में कान्ट, ह्यूम के विचारों का किस प्रकार प्रत्युत्तर देते हैं? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does Hume account for ideas of reason? How does Kant respond to Hume's views in this regard? Critically discuss. 15

(c) सार्त्र की चेतना की 'शून्य (नथिंग)' के रूप में अवधारणा का वर्णन कीजिए। यह किस प्रकार हुसर्ल की चेतना की अवधारणा से भिन्न है? विवेचना कीजिए।

Describe Sartre's notion of consciousness as 'nothing'. How is it different from Husserl's notion of consciousness? Discuss. 15

3. (a) चेतना की अवस्थाओं को हम किसी भी वस्तु पर क्यों आरोपित करते हैं तथा हम इन्हें उन्हीं वस्तुओं पर क्यों आरोपित करते हैं, जिन पर हम भौतिक गुणों का भी आरोपण करते हैं? स्ट्रॉसन अपनी पुस्तक *इन्डिविजुअल्स* में इन प्रश्नों का किस प्रकार उत्तर देते हैं?

Why are states of consciousness ascribed to anything at all and why are they ascribed to the same things to which we also ascribe physical properties? How does Strawson answer these questions in his work *Individuals*? 20

(b) मानव-अस्तित्व के पर्यायों के रूप में हाइडेगर की प्रामाणिकता (ऑथेन्टिसिटी) तथा अप्रामाणिकता (इन्ऑथेन्टिसिटी) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

Explain Heidegger's conception of authenticity and inauthenticity as modes of Dasein's being. 15

(c) क्या शब्दों की उनका प्रयोग करने वाले व्यक्ति के मनस् में स्थित प्रत्ययों के रूप में अवधारणा की जा सकती है? उत्तरवर्ती विटगेन्स्टाइन के दर्शन के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

Can words be viewed as the ideas in the mind of the person who uses them? Answer with reference to the philosophy of later Wittgenstein. 15

4. (a) "विटगेन्स्टाइन की किसी भाषा की संरचना के विषय में उसी भाषा में कुछ न कह पाने की अक्षमता की समस्या को भाषा की सोपानिकी (हाइरार्की) के प्रत्यय/अवधारणा से हल किया जा सकता है।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

"Wittgenstein's difficulty about not being able to say anything within a given language about the structure of that language can be met by the idea of a hierarchy of languages." Do you agree with this statement? Give reasons and justifications for your answer. 20

(b) कान्ट तथा हेगेल यथार्थता तथा यथार्थता विषयक हमारी सोच के बीच सम्बन्ध की जिन विभिन्न प्रकारों से अवधारणा करते हैं, उसका विश्लेषण तथा विवेचना कीजिए।

Analyze and discuss the different ways in which Kant and Hegel conceived the relationship between reality and our thinking about reality. 15

(c) तार्किक भाववादियों ने किस प्रकार दर्शनशास्त्र को विज्ञान के दृष्टि-अनुरूप बनाने का प्रयास किया तथा विज्ञान की एकीकृत भाषा की स्थापना की? उनकी यह योजना क्यों असफल हुई? विवेचना कीजिए।

How did the logical positivists try to make philosophy a handmaid to science and establish a unified language of science? Why did their project fail? Discuss. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) न्याय के अनुमान विषयक मतानुसार वे क्या विशेषताएँ हैं, जो हेतु की वैधता को सुनिश्चित करती हैं? विवेचना कीजिए।

According to Nyāya view of inference (Anumāna), what are the characteristics that ascertain the validity of inferential sign (Hetu)? Discuss.

(b) बौद्धों का क्षणिकवाद किस प्रकार मानव कर्म तथा उत्तरदायित्व-सम्बन्धी विषय का समस्यायीकरण कर देता है? समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

How does the Buddhist theory of momentariness problematize the issue of human action and responsibility? Critically discuss.

(c) क्या 'पुरुष' एक है या अनेक? इस संदर्भ में सांख्य दर्शन की मान्यताओं की व्याख्या तथा परीक्षण कीजिए।

Is *Puruṣa* one or many? Explain and examine the Sāṁkhya position in this context.

(d) वैशेषिक दर्शन में प्रतिपादित 'समवाय' के स्वरूप की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

Critically explain the nature of *Samavāya* (inherence) as propounded in Vaiśeṣika philosophy.

(e) 'सम्प्रज्ञात समाधि' तथा 'असम्प्रज्ञात समाधि' के बीच विभेद के विशेष संदर्भ में योग दर्शन में 'समाधि' के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain, as per Yoga philosophy, the nature of *Samādhi* with special reference to the difference between *Samprajñāta Samādhi* and *Asamprajñāta Samādhi.*

6. *(a)* "आम का वृक्ष, आम के बीज से विकसित होता है।" अपने विरोधी परिप्रेक्ष्यों का प्रतिकार करते हुए सांख्य दार्शनिक इस प्रक्रिया की किस प्रकार अपने कारणता सिद्धान्त से व्याख्या करते हैं?

"A mango tree is grown out of a mango seed." How do the Sāṁkhya philosophers explain this process through their theory of causation by rejecting their rival perspectives? 20

(b) त्रिरूपान्तरण के माध्यम से अतिमानसिक चेतना की प्राप्ति हेतु श्री अरविन्द के सकल योग की मूलभूत विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

Explain the basic characteristics of Sri Aurobindo's Integral Yoga for the realization of supramental consciousness through triple transformation. 15

(c) शब्दों द्वारा ज्ञान (शाब्दबोध) के संदर्भ में नैयायिकों तथा प्रभाकर मीमांसकों के बीच विवाद के प्रमुख बिन्दुओं को उजागर कीजिए।

Bring out the main points of contestation between Naiyāyikas and Prabhākara Mīmāṁsakas with reference to knowledge through words (Śābdabodha). 15

7. (a) अख्यातिवादियों द्वारा भ्रांत संज्ञान की व्याख्या के लिए प्रस्तुत युक्तियों की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए। अन्यथाख्यातिवादियों द्वारा अख्यातिवादियों के विरुद्ध दिए गए तर्कों का मूल्यांकन कीजिए।

Critically explain the arguments presented by the Akhyātivādins for explaining erroneous cognition. Evaluate the arguments against Akhyātivādins by the Anyathākhyātivādins. 20

(b) 'सप्तभंगीनय' के अर्थ तथा 'अनेकान्तवाद' को सिद्ध करने हेतु जैनों के 'स्याद्वाद' में इसके अनुप्रयोग की व्याख्या कीजिए।

Explain the meaning of seven steps of judgement (*Saptabhaṅgīnaya*) and its application in Jaina's *Syādvāda* for advocating a philosophy of non-absolutism *(Anekāntavāda)*. 15

(c) क्या आप निम्बार्क द्वारा दी गई ईश्वर, आत्मा तथा जड़ के स्वरूप की व्याख्या से सहमत हैं? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए।

Do you agree with Nimbārka's explanation of the nature of God, Souls and Matter? Justify your answer. 15

8. (a) उपमान का एक प्रमाण के रूप में विवरण दीजिए। उपमान के विषय में न्याय मत किस प्रकार मीमांसा मत से भिन्न है? विवेचना कीजिए।

Present an account of Upamāna as an instrument of knowledge (Pramāṇa). How is Nyāya view of Upamāna different from Mīmāṁsā view? Discuss. 20

(b) ब्रह्म के 'चित्' तथा 'अचित्' से संबंध की व्याख्या में आने वाली कठिनाइयों के विशेष संदर्भ में रामानुज की ब्रह्म की अवधारणा की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

Critically explain Rāmānuja's conception of Brahman with special reference to the difficulties in explaining the relation of Brahman to Spirit (*Cit*) and Matter (*Acit*). 15

(c) वेदांत का द्वैतवादी मत यह क्यों मानता है कि 'भेदों' की पृथक् सत्ता है तथा वे वस्तुओं के अद्वितीय स्वरूप की निर्मिति करते हैं? 'पंचविधभेद' सिद्धांत के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

Why does the Dualistic School of Vedānta consider that differences (*Bhedas*) have separate existence and constitute the unique nature of things? Answer with reference to the theory of five-fold difference (*Pañcavidhabheda*). 15

★ ★ ★